जागिए !

जागिए ! जागिए !

" कृपया जागिए, उन ख़तरनाक एजेंटों के जाग जाने के पहले ही! "

अत्यंत विशेष ख़ास जानकारी पाने के लिए कृपया कुछ मिनटों का समय अवश्य लगाएँ !

कृपया जागें, अपने शरीर के अंदर उन ख़तरनाक एजेंटों के जाग जाने के पहले ही ...

हम एक अच्छी इलाज, एक अच्छी दवा और एक अच्छे पौष्टिक अनुपूरक की तलाश में रहते हैं, मगर लाचारी यह कि किसी रूढ़िगत इलाज की मुट्ठी में हम जकड जाते हैं जो हमें सिर्फ अस्थाई उपशमन ही दे पाती है, लेकिन साथ में ढेर सारे पार्श्व प्रभावों के नये समस्यात्मक परिणामों का तोहफा भी हमें दे जाती है जिससे हमारी बुरी हालत और खराब बन जाती है। अब हमें चाहिए कुदरती और वैज्ञानिक रूप से श्रेष्ठ साबित आहार अनुपूरक जो दे सके एक आशा किरण उन असहाय और निराश सैकड़ों और हजारों लोगों को जो भयानक बीमारियों की जकड में फँसकर मौत के कगार पर खड़े हैं जिन्हें उस भयावह मौत के पैशाचिक शिकंजे से बचाने के लिए कोई आशाजनक असली इलाज नहीं मिलती।

कृपया जागें, अपने शरीर के अंदर उन ख़तरनाक एजेंटों के जाग जाने के पहले ही ...

प्रकृति जहाँ से हम सब आये हैं, प्रकृति जिसे एक समय में भगवान माना जाता था, अब धीरे-धीरे लोगों के मन से गायब होती जा रही है। पुराने जामाने में लोग अपने रोगों का निधान प्रकृति में खोजते थे और नीरोग हुआ करते थे। लेकिन वैद्य विज्ञान की वृद्धि-समृद्ध के साथ, हम पा रहे हैं रोगों के हानिकारक दुष्प्रभावों से जरा सा ही उपशमन (सिर्फ कुछ दिनों के लिए) और दूसरी तरफ हम सामना करते हैं अकसर अनैदानिक तथा समस्यात्मक अस्वस्थताएँ जिससे हमारी परेशानियाँ और भी बढ़ती जा रही हैं।

कृपया जागें, अपने शरीर के अंदर उन ख़तरनाक एजेंटों के जाग जाने के पहले ही ...

प्रकृति में हमारे लिए ढेर सारी संपत्ति छिपाकर रखी हुई है। फिर भी हम उन चीजों के पीछे बेतहाशा भागते जा रहे हैं, जो हम जानते हैं खतरनाक हैं, फिर भी स्वस्थ बनने की आशा से हम उनका उपयोग करते रहते हैं। क्या हम सचमुच स्वस्थ बन रहे हैं? नहीं, बदले में हम अपने को और बदतर और अस्वस्थ बनाते जा रहे हैं, हमारी कोशिकाओं को हम बना रहे हैं और दुर्बल, हमारी रोगनिरोधक प्रतिरक्षा को बना रहे हैं दुर्बल, और दुर्बल। आखिरकार, इस दुर्बल प्रतिरक्षा प्रणाली की ओड़ में, अवसर पाकर अनेक खतरनाक बीमारियाँ हमारे ऊपर हमला बोल रहे हैं, कई संदर्भों में इनसे छुटकारा पाने या हमारे पूर्व वाले अपने स्वास्थ्य को वापस पाने में बहुत देर हो जाती है। इस लिए, असली आवश्यकता है हमारी प्रतिरक्षा व्यवस्था को फिर से अत्यंत मजबूत बनाने की ताकि हम अपने को अनेक खतरनाक एजेंटों से बचा पाएँ; असली आवश्यकता है हमारी जीव शक्ति (प्रतिरक्षा शक्ति) को और सक्रिय बनाने की - कुछ शक्तिशाली अनुपूरकों को देते हुए, बल्कि कृत्रिम अनुपूरकों को नहीं। हमारे शरीर के अंदर जो सजीव शक्ति है वह वास्तविक प्राकृतिक शक्ति है, इस लिए उसे चाहिए प्राकृतिक सारवस्तु - ताकि वह सही तौर पर सक्रिय बन सके।

कृपया जागें, अपने शरीर के अंदर उन ख़तरनाक एजेंटों के जाग जाने के पहले ही ...

अपनी कोशिकाओं को समुचित पोषक शक्ति दीजिए, उन्हें स्वस्थ बनाइए -दवाओं की दुकानों से मिलने वाले सिंथटिक अनुपूरक देते हुए नहीं, बल्कि उनके लिए जरूरी प्राकृतिक पोषण प्रदान करते हुए, एक साकल्य यानी संपूर्ण पोषण, कुदरती तोहफा के रूप में प्राप्त प्राकृतिक पोषण जो आपके शरीर के लिए अत्यंत जरूरी है। आपकी कोशिकाएँ तरस रही हैं इसके लिए, आपके ऊतक तरस रहे हैं इसके लिए, आपके अवयव तरस रहे हैं इस प्राकृतिक पोषण के लिए। इन्हें सहज रूप से जो मिलना चाहिए, उसे आप इनकार नहीं करें।

यह निमंत्रण आपके लिए है।

अपने और अपने परिवार को बचा सकते हैं आप ही और सिर्फ आप ही।

कृपया जागें, अपने शरीर के अंदर उन ख़तरनाक एजेंटों के जाग जाने के पहले ही ...

इंडियन नोनी, यह इंडियन है यानी भारतीय। यह एक साकल्य फल मोरींडा सिट्रिफोलिया (नोनी) से बनाया जाता है और इस में पुष्कल रूप से हैं प्राकृतिक विटामिनें, लवण, अतिप्रधान एमिनो एसिडें और ढेर, ढेर सारे फाइटोकेमिकल्स जो बहुत जरूरी हैं कोशिकाओं के पोषण तथा उनके पुनः शक्ति निर्माण के लिए। इंडियन नोनी हमारे शरीर में स्थित विषैले अवशेषों की सफाई करने में भी सक्षम है। यह आपके लिए प्रकृति की तरफ से एक तोहफा है। आपके शरीर को जो मिलना चाहिए, उसे कृपया इनकार नहीं करें।

कृपया इस पत्र की प्रतिलिपियों को अपने सभी दोस्तों, रिश्तेदारों, सहकर्मियों और जानपहचान वालों को ई-मेल या डाक के द्वारा भेजें या स्वयं उन्हें वितरण करें।